फूलों से किसानों की बदलेगी रंगत

100 किसान आठ हेक्टेयर में मिर्च, अदरक व आठ हेक्टेयर में करेंगे फूलों की खेती

अरविंद ओझा • जामताड़ा

- राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत किसानों को समृद्ध बनाने की तैयारी
- खेती करने को चयन में प्रशिक्षित किसानों को दी जाएगी प्राथमिकता

जिले के किसान अब मसालों व फूलों की खेती कर अपनी समृद्धि का रास्ता अख्तियार करेंगे। जामताड़ा कृषि विभाग ने इस योजना के क्रियान्वयन की तैयारी शुरू कर दी है। पहले चरण के लिए इच्छुक किसानों से जरूरी दस्तावेज के साथ विभाग ने आवेदन भी संग्रह करना शुरू कर दिया है।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत पहले चरण में ज़िलेभर के 100 किसानों को इसके लिए चयनित किया जाना है। विभाग की देखरेख में ये किसान आठ हेक्टेयर भू-भाग पर मिर्च व अदरक की खेती करेंगे, जबकि सात हेक्टेयर भू-भाग पर फूलों की खेती की जाएगी। इस खेती के लिए चयन प्रक्रिया में सक्रिय व प्रशिक्षित किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

किसानों को ट्रेनिंग के साथ उपलब्ध करवाए जाएंगे संसाधन : मसालों व फूलों की खेती के लिए इच्छुक किसानों को इसके लिए ट्रेनिंग के साथ खाद, बीज व अन्य जरूरी संसाधन भी विभाग की ओर से उपलब्ध करवाए जाएंगे। खाद, बीज व कीटनाशक की उपलब्धता सुनिश्चित करने में असमर्थ किसान को कृषि विभाग के सौजन्य से निश्शुल्क उन्नत खाद बीज कीटनाशक दवा उपलब्ध कराते हुए खेती करने के आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने की तैयारी है।

आर्थिक रूप से कमजोर किसानों को मिलेगा लाभ, उपलब्ध करवाएं बाजार : प्रखंड कृषि तकनीकी पदाधिकारी डा. इक़बाल हुसैन ने बताया कि वास्तव में सब्जी, फूल व फल की खेती करने में आम तौर पर अधिक लागत आती है। क्योंकि उन्नत किस्म के खाद, बीज व कीटनाशक आदि के भाव आसमान छू रहे हैं। ऐसी विषम परिस्थिति में आर्थिक रूप से कमजोरी किसान के पास खेती योग्य भूमि रहने के बावजूद भी मिर्च, अदरक, फूल या फल की खेती आरंभ नहीं कर पाते हैं। इस योजना के तहत योग्य तथा इच्छुक किसानों का चयन किया जाएगा। योजना के तहत सात हेक्टेयर में मिर्च तथा अदरक की खेती की जाएगी, जबकि आठ हेक्टेयर भू-भाग पर फूलों की खेती की जाएगी। किसानों को खेतों की तैयारी से लेकर बीज बुआई व कटाई के साथ फूलों की मार्केटिंग तक की सुविधा कृषि विभाग उपलब्ध कराएगा।

बेहतर पैदावार पर बढ़ेगा रकबा

हुसैन ने बताया कि पहली बार किसानों के सिंचित भूमि पर मिर्च, अदरक व फूलों की खेती की तैयारी की गई है। इनकी बेहतर पैदावार होने पर और अधिक क्षेत्रफल पर खेती के विस्तार का प्रयास किया जाएगा। किसानों के आमदनी देखकर अन्य किसान भी मसालों व फूलों की खेती को उत्सुक होंगे।

कृषि विभाग की देखरेख में नेट हाउस में तैयार हो रहे मिर्च के पौधे • जागरण

Scanned with AnyScanner